1. Acc. No. :→ 50529. सुन्दर सँगार। सुन्दर कवि कृत।

2. Acc. No. :→ 50530. नामदेव जी की परिचई।

3. Acc. No. :→ 50531. तिलोचन जी की परिचई। अनन्तदास कृत।

4. Acc. No. :→ 50532. अंगद जी की परिचई। अनन्तदास कृत।

5. Acc. No. :→ 50533. प्रह्लाद लीला।

6. Acc. No. :→ 50534. कबीर के दोहे।

7. Acc. No. :→ 50535. शकुनावली।

8. Acc. No. :→ 50536. सुखदेव लीला।

9. Acc. No. :→ 50537. ध्रुव चरित्र।

10. Acc. No. :→ 50538. कलजुग पचीसी

11. Acc. No. :→ 50529. सुन्दर सँगार। सुन्दर कवि कृत।

श्रीरामजी सति ।। साध महातम को अं
ग चल्यो कबीर पुरब पटण सुबस बसो
आनंद ठाउ गाव़ रामसनेही बाहरी
सुंनु मेरै भाय़ १ कबीर जैह घरी साध
न पुजिये हरि की सेव़ा नाहि सो घर
मरघट सारीषे भुत बसै ता माहि
२ कबीर है गै गै व़र सघन घन छत्र
धजा फरराय़ तासु थतै भिक्षा भली
जै हरि सुमरत दीन जाय़ ३ कबीर ध
न वै माता सुंदरी जिन जाया वैस्नौ
पुत राम सुमर निरभै भया सब जु
ग भया आउत ४ श्रीरामजी सहाई

श्रीरामजीसहाइ ॥ बेहदकोअंगचल्यौ
कबीरहदछाडिबेहदगया अवरण
किपामिलांण दासकबिरामिलि
रह्या सोकहिये नेहदकाम १ कबी
रबेहदबिचारोहदतजो हदतजिमे
त्यौआस सबेअलगनिमेटिके
रि करोनिरंतरबास २ कबीरनिरं
तरबासिनिरमला सुनिघुलतेन्या
रा पूरबकीगंगपछमआरौ देषु
जोतिउजाला ३ कबिरबेहदअ
गाधिरामहै येसबहदकेजीव
जेनररातेहदसैया तेकदे नपावैसे
व ४ कबीरहदमेरामनपाइया

बेहदमैनरहरि हदबेहदकिगमलहे
तास्योरामहिजूरि ५ कबिरहदव्या
धाबेहदमे पलपलपेषेनुर मनक
हालेराषिये जेहाबाजेआनहतुर ६
कबीरहदीमाहीहदिकाघेरा लिया
जीवकुआय रिगसबिगसबेहदेग
या तोमरैनआवैजाय ७ कबिरसु
रतसमानीनीरतमे अजपामाहीजा
प लेषसमानाआलेषमे योआपामा
हींआप ८ कबीरहरिछाफिबेहदि
गया कियासुनअसथांन मुनिजन
महोलानपावई तहाकियाबिस्राम ९
कबीरउचौचढअसमानकुं मेरउलं

घरउरू पसुपंषेरू जिव़जंत रहषा
मेरमेबुझि १० कबीरजीव़बिलंब्या
जिव़स्यो पिव़लेय़रमिलाय़ लेषा
पड़ा अलेषमे अबकुंछकह्यान
जाय़ ११ कबीरहदिछामेबेहदग
य़ा तिनस्योरामकि जुर पारब्रंह्म
परचानय़ा अबनिडा तबदुरि १२
कबीरमेरमीटीमुकतानय़ा पा
य़ाब्रंम्हबीसास अबमेरादुजा
कोनही बेहदकिगमहोय़सी त
बकहिबेकुंकुछनाही १४ कबी
रहदिकाजीव़स्यो हितकरिमुष
नबोलि तेरालाबेहदबस्यो तिन

स्यौ अंतरबोलि १५ कबिरहदिका
जीवस्यौ मति आषैबेहदि जहा
तहा जेसारोजीया तहांतहांतेसा
गदि १६ उपजणका अंग चल्यौ क
बीरसिषना ईसंसारमै चलेजसाई
पासी अबनासि मोहेलेचले पुर
ईमेरि आस १ कबीरईडलोकई
चरजभया ब्रह्मापड़ाबीचारी क
बीराचाल्याराममैपै कौतिगहारआ
पारि २ कबीरसहपारी पातालका
कोटि कबीरापीव बासीपीयातप
ड़िमुवा बिषैबिलंब्याजीव ३॥३॥